464वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 39 | नवम् अंक | अप्रैल 2017

इस अंक में...

13 मिथ्या आकर्षण : कलुषित जीवन
14 राष्ट्रीय घटनाक्रम
25 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
29 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
37 नवीनतम सामान्य ज्ञान
44 खेलकूद
47 रोजगार समाचार
50 सिविल सेवा परीक्षा 2016 व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार)
53 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
56 स्मरणीय तथ्य
58 युवा प्रतिभाएं
63 सार्वभौमिक बुनियादी आय: महात्मा के साथ और भीतर एक संवाद
67 भारतीय अर्थव्यवस्था एक दृष्टि में
73 फोकस—महिला सशक्तिकरण : सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों का केन्द्र बिन्दु
77 विश्व परिदृश्य
82 सामयिक लेख—एमटीसीआर एवं एनएसजी में भारत की सदस्यता
84 ई-शासन के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम
87 संवैधानिक लेख—राज्य के नीति निर्देशक तत्व
89 प्रशासनिक लेख—भारत में जिला प्रशासन की बदलती भूमिका
93 पर्यावरण लेख—ग्लोबल वार्मिंग : पृथ्वी के अस्तित्व पर मँडराता संकट
96 पर्यावरण लेख—21वीं सदी में पर्यावरण संरक्षण हेतु सुझाव अपनाएं—अभी नहीं, तो कभी नहीं
98 प्रतिरक्षा लेख—भारतीय वायुसेना के विकास की रणनीति
101 कृषि लेख—अनुबंध खेती की अवधारणा एवं सम्भावनाएं
103 सार संग्रह
107 सामान्य अध्ययन—मध्य प्रदेश पी.एस.सी. राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2015 का हल प्रश्न-पत्र
117 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान—(i) सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, 2016
126 (ii) बिहार न्यायिक सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2016
131 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
132 सामान्य ज्ञान अद्यतन
134 ऐच्छिक विषय—(i) मनोविज्ञान—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2016
140 (ii) शारीरिक शिक्षा—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2016
148 गणितीय योग्यता—एस.बी.आई. असिस्टेंट मैनेजर (सिस्टम) (आईटीएसओ) परीक्षा, 2015
152 गणित एवं तार्किक योग्यता—छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. मुख्य परीक्षा, 2015
159 तर्कशक्ति—बैंक ऑफ बड़ौदा (पी.ओ.) परीक्षा, 2016
166 क्या आप जानते हैं ?
167 अपना ज्ञान बढ़ाइए
168 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक 178
171 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—भारत में बड़े नोटों का विमुद्रीकरण
173 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—453 का परिणाम
174 English Language–IBPS Information Technology Officers Exam., 2016

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

मिथ्या आकर्षण : कलुषित जीवन

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

कुछ ऐसे ज्वलन्त प्रश्न हैं जिनको लेकर हमारी युवा पीढ़ी काफी दिग्भ्रमित नज़र आ रही है. जहाँ देखो, सभी युवा साथियों में, छात्र-छात्राओं में विचार चर्चा के मुद्दों में ये कुछ विषय समाहित रहते ही हैं, जिनके उचित मार्गदर्शन के अभाव में वातावरण के प्रभाव से स्वयं को बचा पाना बहुत कठिन प्रतीत हो रहा है. उनमें एक विषय है—मदिरा व नशीली दवाओं का सेवन, दूसरा प्रमुख विषय है शादी से पूर्व संभोग सम्बन्ध व तीसरा प्रमुख विषय है मांसाहारी भोजन.

आज का युवा उपभोक्तावादी संस्कृति से आकर्षित होकर अनेक प्रकार के व्यसनों का शिकार हो रहा है. लेकिन अधिकांश युवकों और युवतियों के पास तार्किक ढंग से मदिरापान करने, नशीली दवाओं का सेवन करने, धूम्रपान करने, विवाहपूर्व एवं विवाहेत्तर सम्बन्ध बनाने के पक्ष में कोई ठोस कारण नहीं है. अधिकांश युवक और युवतियाँ यही मानते हैं कि वे स्वयं को 'आधुनिक' सिद्ध करने, इन दुर्व्यसनों से शिकार लोगों के दबावों का विरोध न कर पाने के कारण स्वयं भी इस माया जाल में फंस जाते हैं.

मित्रता एक बहुआयामी शब्द है. इसके दो बड़े व्यापक फलक हैं. सकारात्मक फलक वह है जहाँ कोई मित्र अपने मित्र को सन्मार्ग पर ले जाता है. अच्छे और बुरे दिन में उसका सहयोग करता है. ऐसे मित्रों पर गर्व किया जा सकता है. उनके अच्छे कृत्यों का अनुसरण किया जाना असंगत नहीं होता. ऐसे मित्रों के लिए कहा जा सकता है—

''मित्र निकट जिनके नहिं, धूप चाँदनी ताहि।
मित्र निकट जिनके, नहिं धूप चाँदनी ताहि।।

जिनके मित्र निकट नहीं होते उनके लिए चाँदनी भी धूप के समान होती है, जिनके मित्र निकट होते हैं उन्हें धूप भी चाँदनी की तरह लगती है.

मित्रता का नकारात्मक फलक जान-पहचान को मित्रता नाम देने में निहित है. दुर्व्यसनी लोग अपने साथियों को अपना जैसा ही बना लेने के लिए 'मित्रता', 'साथ देने', 'सम्बन्धों को बनाए रखने जैसे तर्कों के द्वारा मदिरा पान करने, धूम्रपान करने, नाचने-गाने, पब-क्लब जाने, अनैतिक सम्बन्ध बनाने के लिए प्रेरित करते हैं. ऐसा न करने वालों को पुरातन पंथी, पिछड़ा, माँ-बाप का गुलाम की संज्ञा दी जाती है.